Health Department ,Haryana

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

World Health Organization

बीमार नवजात शिशुओं की देखभाल

सोमार्थ और स्वास्थ्य बिभाग के बीच सहयोग

शिशुओं की ज्यादातर मृत्यु क्यों होती है?

गंभीर संक्रमण

(बुखार/बिना बुखार)

कम वजन वाले शिशु

निमोनिया

पीलिया

जन्म के समय सांस अवरोध

दस्त

हम ज्यादातर इन शिशुओं को बचा सकते हैं

1. खतरे के लक्षणों को पहचानना
2. सही उपचार के लिए तुरंत निकट के स्वास्थ्य केंद्र जाना
3. स्वास्थ्य केंद्र पर प्रशिक्षित डॉक्टर का होना और जरूरी सुविधाओं का उपलब्ध होना

स्वाथ्य बिभाग के साथ सोमार्थ का सहभागिता

1 **जागरूक और सतर्क**

- माता
- परिवार
- आशा एवं
- एएनएम बहन

किस तरह बीमार शिशुओं की पहचान जल्दी से जल्दी हो सके

2 प्रशिक्षित

डॉक्टर, एएनएम नर्स

और

जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएँ

सही इलाज तुरंत कैसे शुरू हो सके

50 गाँव

1.9 लाख जनसँख्या

लगभग 5 हजार नये जन्म

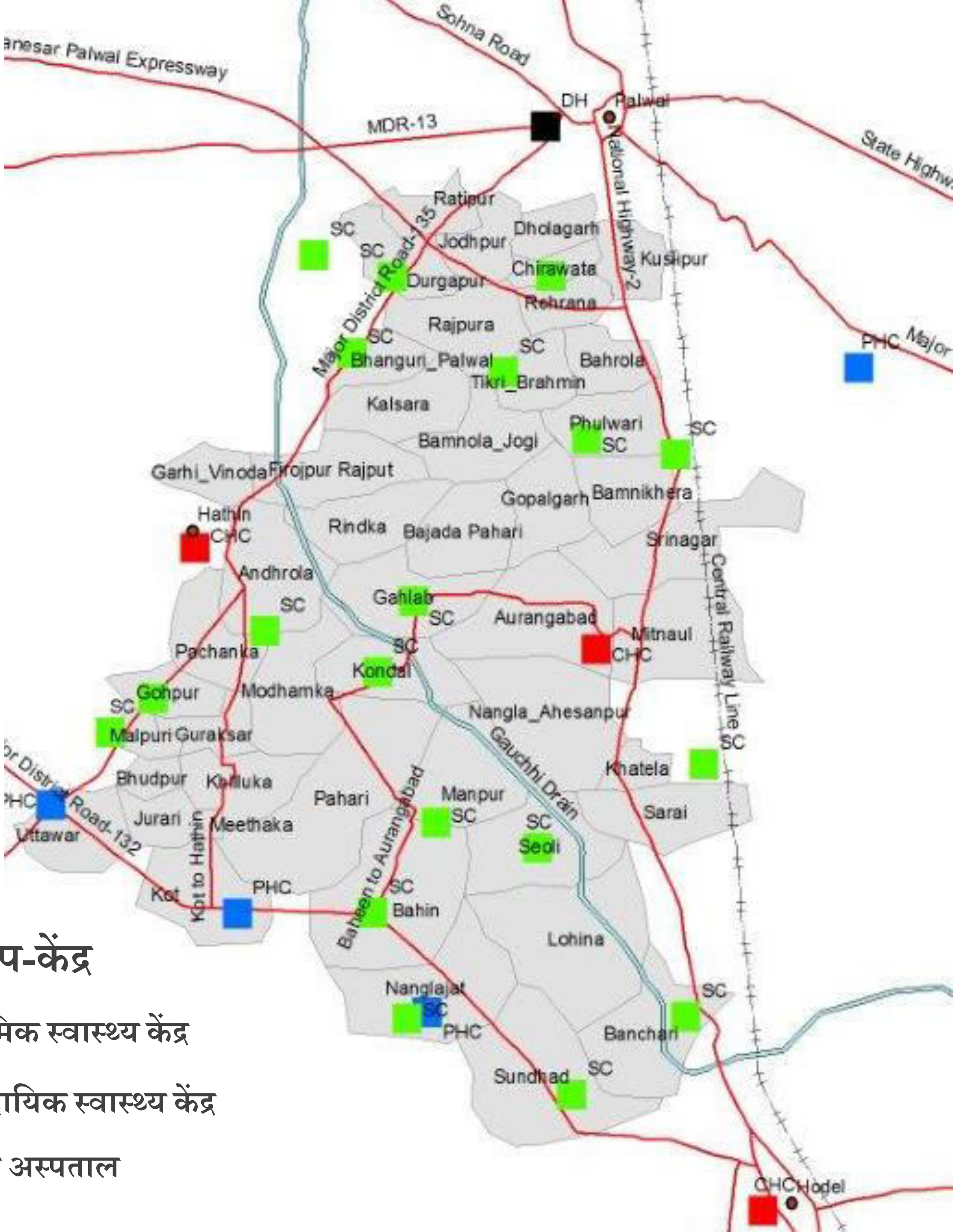

18 उप-केंद्र

4 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

4 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

1 जिला अस्पताल

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

1

परिवार में बीमार शिशु की पहचान और तुरंत नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लाना

आशा बहनों को प्रशिक्षण

- 6 प्रशिक्षण कार्यशाला
- 172 आशा कार्यकर्ता

2 माह से छोटे शिशुओं में खतरे के लक्षणों को पहचानना

कैसे माँ को खतरे के लक्षणों को पहचानना सिखाना

समय पर गृह भेंट (एचबीएनसी) सुनिश्चित करना

आशा बहन जी के साथ मिलके समय-समय पर गृह भेंट करने के आंकड़े लेना और गृह भेंट करने के लिए उत्साहित करना

बीमार शिशु को नजदीकी स्वास्थ्य सुविधा केंद्र पर लेने जाने के लिए सहयोग

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

सोमार्थ का योगदान

2 तुरंत सही इलाज शुरू करवाना

ए एन एम बहनों और डॉक्टर का प्रशिक्षण

2 माह से छोटे शिशुओं में खतरे के लक्षणों को पहचानना

कैसे जांच की जाए और उपचार दिया जाए

3 दिन का प्रशिक्षण कार्यशाला

सफदरजंग अस्पताल से 3 वरिष्ठ बच्चों के डॉक्टर

1 दिन सफदरजंग अस्पताल ले जाकर 2 महीने से छोटे बीमार बच्चों की जांच करने का तरीका सिखाया

- 5 प्रशिक्षण
- 46 डॉक्टर
- 46 ए एन एम बहनें
- 33 Staff Nurse

बीमार शिशु की जांच एवं ईलाज में स्वास्थ्य कर्मियों का विश्वास बढ़ाना (हैंड होल्डिंग)

जब आशा बीमार शिशु को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाती है तो एएनएम बहन और डॉक्टर के आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए सोमार्थ के प्रशिक्षित सुपरवाइज़र (निरीक्षक) उपस्थित रहते हैं।

समुदाय में जागरूकता बढ़ाना

सटीक उपचार कहाँ मिलेगा - उसकी जानकारी

जच्चा-बच्चा स्वास्थ्य की देखभाल के लिए आशा बहन कब-कब घर आती हैं और क्या जांच करती हैं

शिशुओं में खतरे के लक्षणों को पहचानना

बीमार बच्चों की समुचित देखरेख

खतरे के 7 लक्षण (कोई भी होने पर शिशु को स्वास्थ्य कर्मी के पास तुरंत ले जाना चाहिए)

बुखार (≥ 99° F)

ठंडा पड़ना (< 95° F)

दौरे पड़ना

सुस्त/ निढाल होना

तेज सांस लेना

पसली चलना

ठीक से दूध न पीना/बिल्कुल ही न पीना

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

ग्राम स्वास्थ्य और पोषण दिवस में सहभागिता

सोमार्थ ने 28 ग्राम स्वास्थ्य और पोषण दिवस में भाग लिया

मीटिंग में आशा बहनों के साथ मिलकर गर्भवती महिलाओं के साथ चर्चा की

1. कैसे खतरे के लक्षणों को पहचानें
2. कैसे आशा बहन की भेंट परिवार के लिए जरूरी है
3. बीमार बच्चों को दवाई के लिए कहाँ ले जाना है
4. गांव के किन-किन परिवारों ने अपने बीमार बच्चों को नजदीकी स्वास्थ्य सुविधा केंद्र पर दिखाया और उपचार लिया

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत आयोजित किये गए क्लीनिक

सोमार्थ ने 3 सीएचसी में आयोजित किये गए क्लीनिक भाग लिया

सोमार्थ अगले 6 महीनों के लिए इस क्लिनिक में दिए गए परामर्श (प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर) की सुविधा को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र से दो स्वास्थ्य कर्मचारियों को सोमार्थ द्वारा प्रशिक्षित किया जायेगा।

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को परामर्श –

1. खतरे के साथ लक्षणों की पहचान कैसे करें
2. आशा की भेंट कैसे नवजात शिशु की देखभाल में सुधार करने में मदद करती है
3. जब शिशु बीमार होता है तो उपचार कहाँ से करवाना है

टीकाकरण कार्ड में खतरे के लक्षणों और संदेश प्रदर्शित करना (दिखाना)

जिला स्वास्थ्य विभाग और सोमार्थ ने मिल कर- खतरे के 7 लक्षणों का एक कार्ड तैयार किया है जो पलवल जिले की टीकाकरण कार्ड में प्रदर्शित किया जाएगा

दीवार पर चित्रण

50 गाँव में 100 दीवारों पर चित्रण किया गया है –

1. खतरे के लक्षणों पर
2. आशा के घर पर भेंट पर

अधिकार यात्रा: स्कूल रैलियां

उपयुक्त देखभाल की मांग पर जागरूकता

सोमार्थ स्कूल के बच्चों द्वारा जागरूकता रैली आयोजित कर रहा है

1. माता-पिता और अन्य परिवार के सदस्यों में जागरूकता लाने का स
अच्छा तरीका

2. भविष्य में माँ बनने वाली स्कूली छात्राओं
को जागरूक बनाना

पिछले एक साल में हमने क्या देखा!

50 गाँव

1.9 लाख जनसँख्या

3437 शिशुओं

का आशा बहनों ने
फॉलो- अप किया

534 बीमार शिशु

आशा बहन जी ने पहचाना

360 बीमार शिशु

गांव के नजदीक उपचार लिया

174 बीमार शिशु

अस्पताल में उपचार मिला

उपलब्धी!

प्रभावी ढंग से आशा बहनों ने बीमार शिशुओं की पहचान की

67 % शिशुओं को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में उपचार हुआ

जिन्होंने गांव के नजदीक उपचार लिया उनमें से 68% ने सरकारी सुविधा केंद्र पर उपचार लिया

लगभग सभी बीमार बच्चे स्वस्थ हो गये!

गंभीर संक्रमण वाले शिशुओं की देखरेख

50 गाँव

1.9 लाख जनसँख्या

3437 शिशुओं

का आशा बहनों ने
फॉलो- अप किया

249 गंभीर संक्रमण

आशा बहन जी ने पहचाना

140 बीमार शिशु

गांव के नजदीक उपचार लिया

109 बीमार शिशु

अस्पताल में उपचार मिला

248 स्वस्थ हुए

उपलब्धी!

56 % शिशुओं को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में उपचार हुआ

जिन्होंने गांव के नजदीक उपचार लिया उनमें से 67% ने सरकारी सुविधा केंद्र पर उपचार लिया

लगभग सभी बीमार बच्चे स्वस्थ हो गये!

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

कार्यक्रम की उपलब्धी

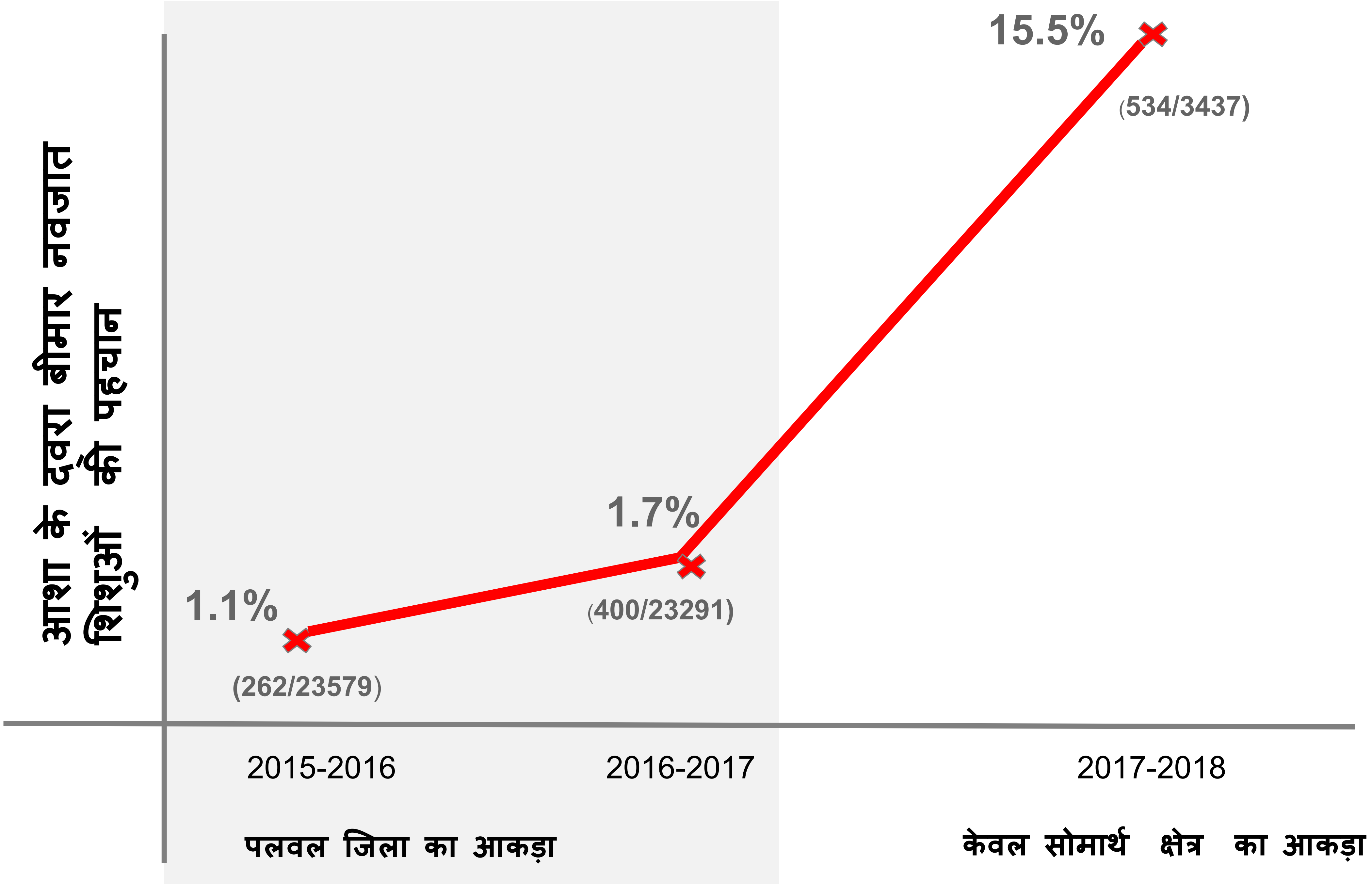

आशा के दवरा बीमार नवजात
शिशुओं की पहचान
1.1%
(262/23579)
1.7%
(400/23291)
15.5%
(534/3437)
2015-2016
2016-2017
2017-2018
पलवल जिला का आकड़ा
केवल सोमार्थ क्षेत्र का आकड़ा

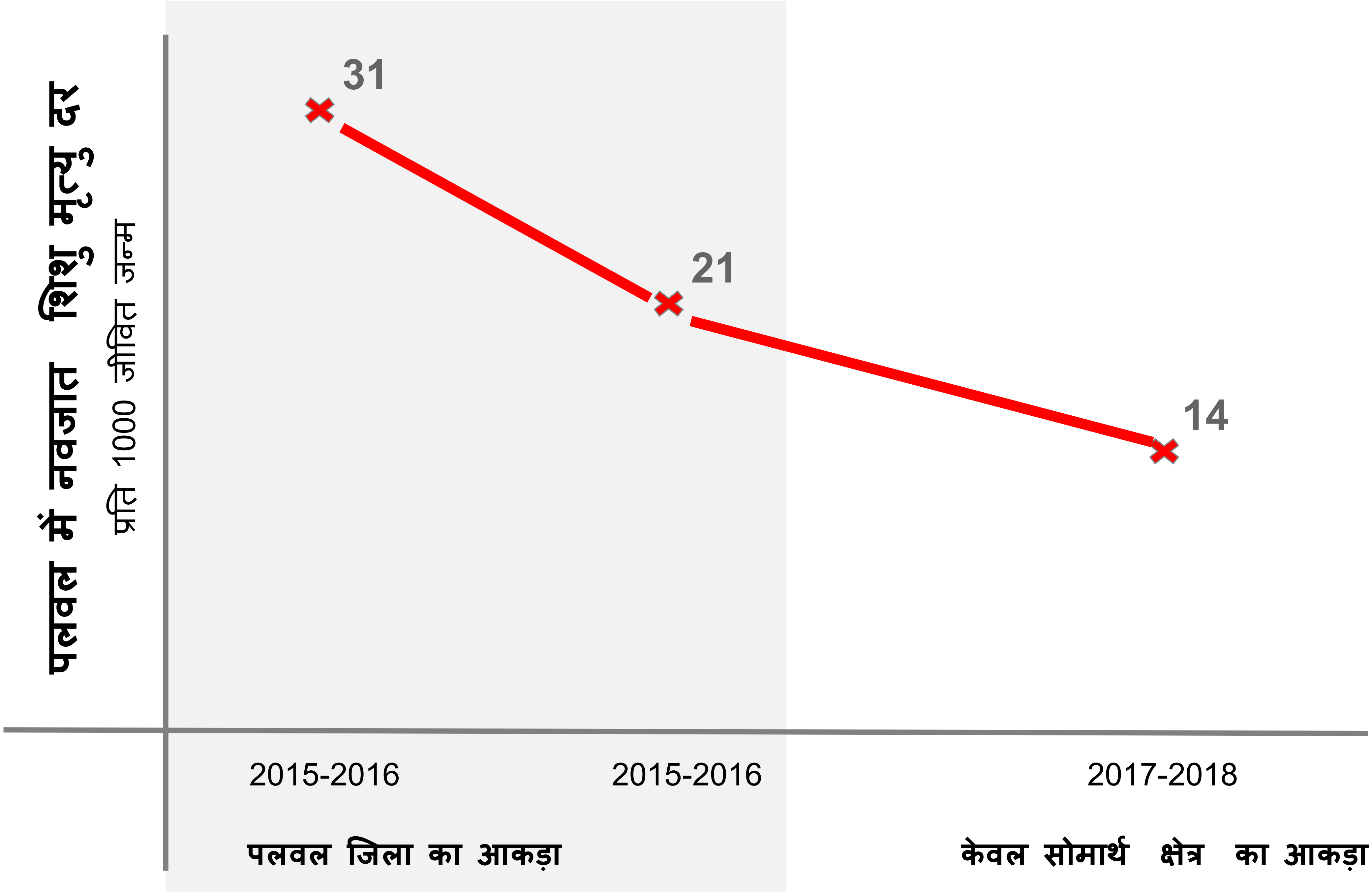

पलवल में नवजात शिशु मृत्यु दर
प्रति 1000 जीवित जन्म
31
21
14
2015-2016
2015-2016
2017-2018
पलवल जिला का आकड़ा
केवल सोमार्थ क्षेत्र का आकड़ा

समुदाय सरकार और संसंथा की भागीदारी से सामाजिक विकास को गति देना संभब हैं !

सभी स्थानीय निवासियों का, आशा बहनजियों का, स्वास्थ्य कर्मियों का

धन्यवाद!